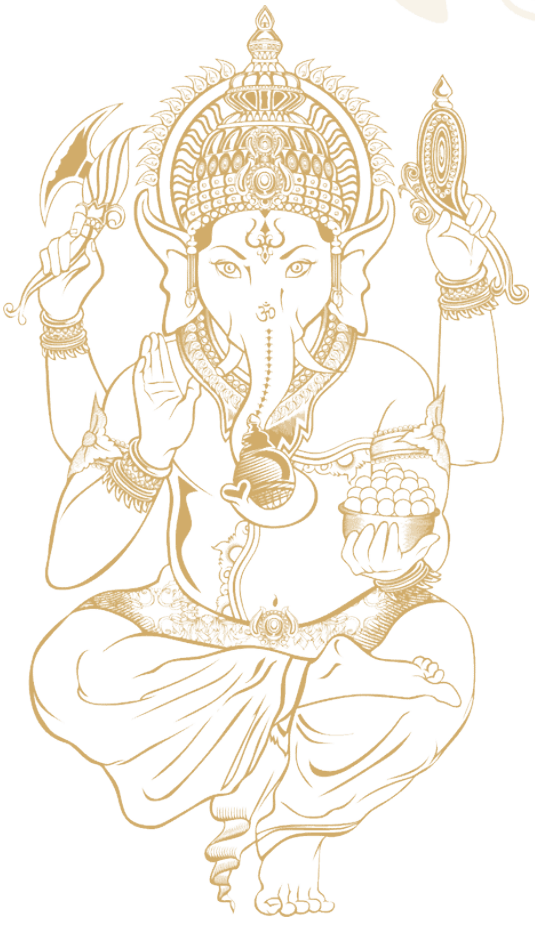

Shrenik patodi

Ritvika jain

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121407101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121407101 Date: 26/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/12/1990	जन्म तिथि	07/07/1995
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:43:00	जन्म समय	20:29:00 घंटे
घटी 09:11:51	जन्म समय(घटी)	36:44:42 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Ajmer
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:15	सूर्योदय	05:44:06
17:46:31	सूर्यास्त	19:27:57
23:44:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:49

कुम्भ	लग्न	मकर
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	स्वाति
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	3
हर्षण	योग	सिद्ध
विष्टि	करण	तैतिल
खे-खेमचन्द	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 10मा 13दि		02:11:50	कुंभ	लग्न	मक	08:11:14	राहु 7वर्ष 10मा 5दि	
गुरु		05:20:08	धनु	सूर्य	मिथु	21:14:29	शनि	
03/11/2018		19:30:25	मक	चंद्र	तुला	14:11:08	13/05/2019	
03/11/2034		04:52:53	वृष व	मंगल	सिंह	28:15:48	13/05/2038	
गुरु	22/12/2020	12:31:00	धनु व	बुध	मिथु	01:24:32	शनि	16/05/2022
शनि	05/07/2023	19:08:26	कर्क व	गुरु व	वृश्चि	12:45:12	बुध	23/01/2025
बुध	10/10/2025	17:27:27	धनु	शुक्र	मिथु	09:04:28	केतु	04/03/2026
केतु	16/09/2026	00:42:00	मक	शनि व	मीन	00:57:13	शुक्र	04/05/2029
शुक्र	17/05/2029	04:27:06	मक	राहु व	तुला	08:57:10	सूर्य	16/04/2030
सूर्य	05/03/2030	04:27:06	कर्क	केतु व	मेष	08:57:10	चन्द्र	15/11/2031
चन्द्र	05/07/2031	15:21:03	धनु	हर्ष व	मक	05:15:21	मंगल	24/12/2032
मंगल	10/06/2032	19:58:40	धनु	नेप व	मक	00:37:23	राहु	31/10/2035
राहु	03/11/2034	25:31:21	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	04:17:29	गुरु	13/05/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:49

लग्न-चलित

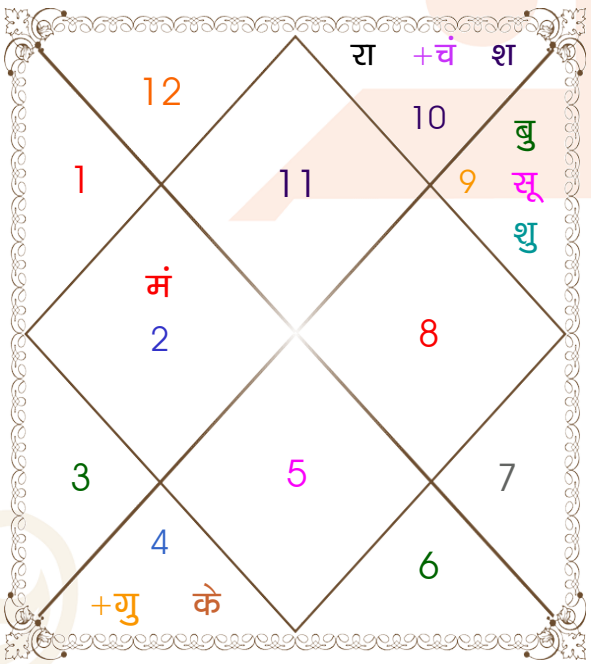

लग्न-चलित

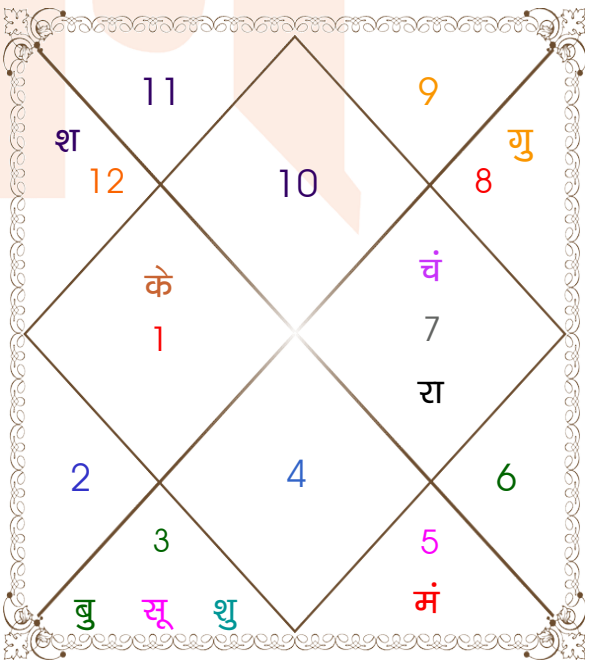

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

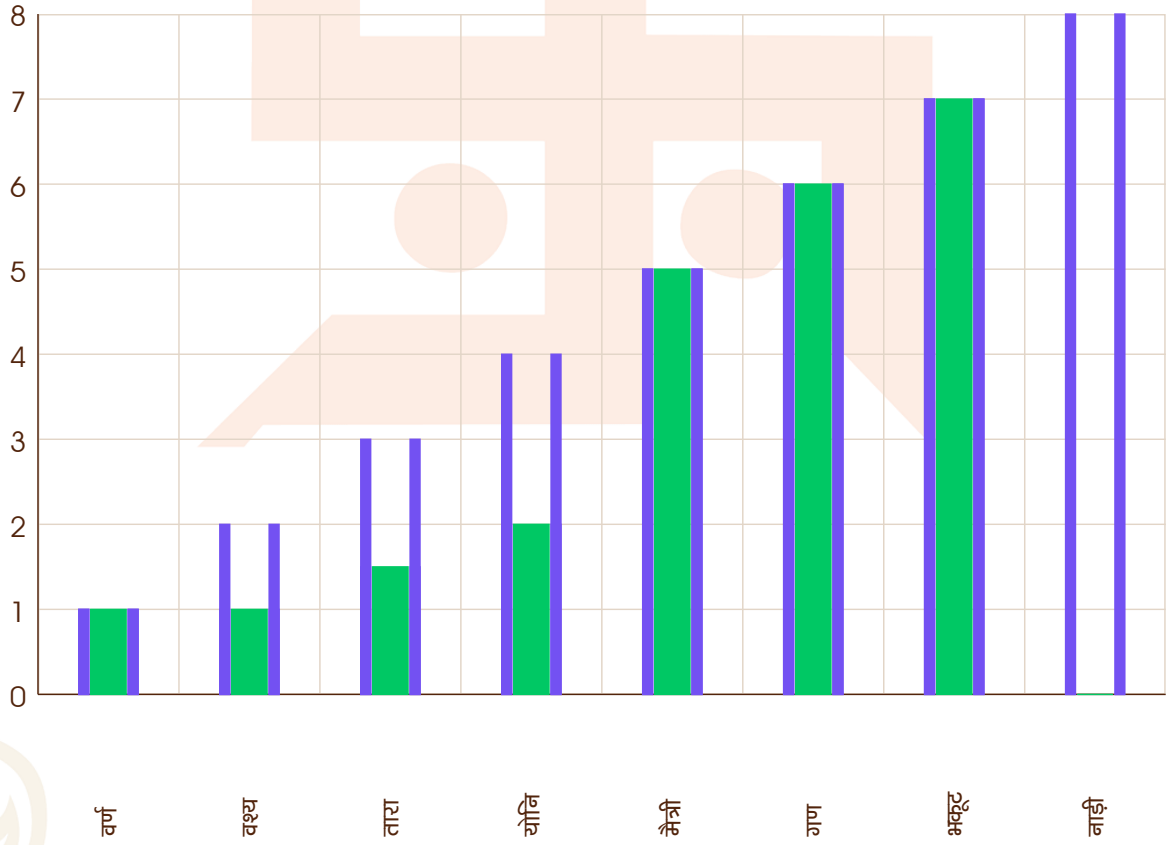

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि गौतमदपा चंजवकप का नक्षत्र श्रवण है।

गौतमदपा चंजवकप का वर्ग मार्जार है तथा Ritvika jain का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार गौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

गौतमदपा चंजवकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ritvika jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ritvika jain कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

गौतमदपा चंजवकप तथा Ritvika jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौतमदपा चंजवकप का वर्ण वैश्य है तथा Ritvika jain का वर्ण शूद्र है। इसमें Ritvika jain का वर्णौतमदपा चंजवकप के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ritvika jain अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ritvika jain हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

ौतमदपा चंजवकप का वश्य जलचर है एवं Ritvika jain का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ritvika jain अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी किौतमदपा चंजवकप उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

ौतमदपा चंजवकप की तारा मित्र तथा Ritvika jain की तारा विपत है। Ritvika jain की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ौतमदपा चंजवकप एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ritvika jain का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ौतमदपा चंजवकप की योनि वानर है तथा Ritvika jain की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी

समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौतमदपा चंजवकप एवं Ritvika jain दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ौतमदपा चंजवकप एवं Ritvika jain के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ौतमदपा चंजवकप एवं Ritvika jain जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ौतमदपा चंजवकप का गण देव तथा Ritvika jain का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

ौतमदपा चंजवकप से Ritvika jain की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ritvika jain से ौतमदपा चंजवकप की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ौतमदपा चंजवकप एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी।

Ritvika jain को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ritvika jain हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

ौतमदपा चंजवकप की नाड़ी अन्त्य है तथा Ritvika jain की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ौतमदपा चंजवकप एवं Ritvika jain की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौतमदपा चंजवकप की जन्मराशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ritvika jain की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। भूमि और वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण यद्यपि इनमें स्वभावगत विषमताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु सामंजस्य तथा बुद्धिमता से अनुकूल संबंध बनाने में सहायता प्राप्त हो सकती है। अतः यह मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

ौतमदपा चंजवकप की राशि का स्वामी शनि तथा Ritvika jain की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भाव में पड़ती हैं अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के लिए मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।ौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा सच्चे मित्र की भांति अव गुणों की उपेक्षा करेंगे। इससे जीवन सुखमय रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना विद्यमान होगी।

ौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain की राशियां परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में भौतिक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करेंगे एवं किसी के भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। फलतः आपस में विश्वास का भाव रहेगा एवं प्रसन्नतापूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

ौतमदपा चंजवकप का वश्य जलचर तथा Ritvika jain का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भी अन्तर रहेगा। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफल होंगे।

ौतमदपा चंजवकप का वर्ण वैश्य तथा Ritvika jain का वर्ण शूद्र है। अतःौतमदपा चंजवकप की प्रवृति धनार्जन में अधिक रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। लेकिन Ritvika jain किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की उन्नति सन्तोषप्रद रहेगी।

धन

ौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे Ritvika jain का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा Ritvika jain के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवंौतमदपा चंजवकप हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिए ौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ritvika jain के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ritvika jain को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ritvika jain को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारौतमदपा चंजवकप और Ritvika jain का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ritvika jain के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में

कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ritvika jain धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ritvika jain के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ritvika jain का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ritvika jain से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ौतमदपा चंजवकप के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ मेंौतमदपा चंजवकप के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोणौतमदपा चंजवकप के प्रति सामान्य ही रहेगा।